0117CH11

11. पतंग

सर–सर सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर फर–फर उड़ी पतंग।

इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।

अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग।

सर–सर सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर फर–फर उड़ी पतंग।

© NCERT not to be republished

2021-22

पतंग का चित्र बनाओ।

अब कविता बनाएँ

सर–सर सर–सर उड़ी पतंग

घंटी बोली ....

उड़ता कपड़ा ....

.... खन–खन–खन

© NCERT not to be republished

सोचो और लिखो

तुम पतंग के साथ सैर-सपाटे पर गईं। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा?

....

....

पतंग कटकर कहाँ-कहाँ गिर सकती है?

....

....

कागज़ से कुत्ता बनाओ।

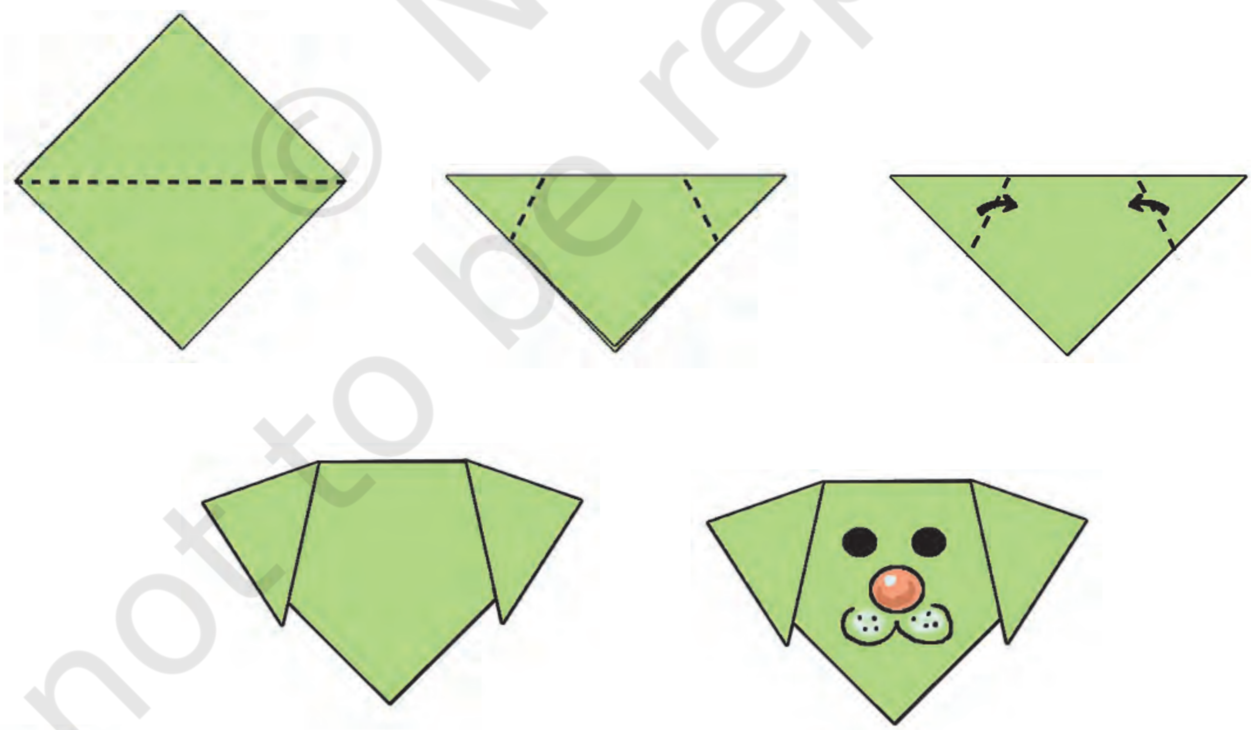

2021-22

© NCERT not to be republished

कहती है अब खेल का समय

२४ हुर्रे! जीत गई	२३ जल्दी–जल्दी चार बार बोलो– कच्चा पापड़ पक्का पापड़। आगे बढ़ो।	२२ 	२१ पाँच बार चुटकी बजाओ और चुस्की का मज़ा लो।	२० 	१९
१३ 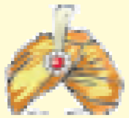	१४	१५ 	१६	१७ **आ** से शुरू होने वाली चार चीज़ों के नाम बताओ। झूला झूलो।	१८
१२ बीस की गिनती पूरी होने से पहले बाहर से एक पत्थर लेकर आओ। आम खाओ	११	१०	९ 	८	७ **म** से शुरू होने वाला कोई गाना सुनाओ। पगड़ी पहनो।
१ शुरू करो।	२ मछली पर कविता सुनाओ नाव में जाओ।	३	४	५ **क** से शुरू होने वाले पाँच बच्चों के नाम बताओ। पतंग उड़ाओ।	६

बच्चे सुझाया गया काम करेंगे। सही करने पर आगे बढ़ेंगे। गलत करने पर एक बारी छोड़ेंगे।

© NCERT not to be republished